TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

02 सितंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जात क्या है!

जात दो ही है, एक गरीब और दूसरी अमीर ।

फणीश्वरनाथ रेणु

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

02 सितम्बर

1. **विश्व नारियल दिवस–** यह दिवस प्रतिवर्ष 2 सितम्बर को मनाया जाता है। नारियल का उपयोग कई कामों में किया जाता है। पूजा–पाठ, हवन, शीतल पेय जल, खाद्य पदार्थ के अतिरिक्त नारियल के छिलके से रस्सी, चटाई, टाट, बनाई जाती है। सूखा नारियल का उपयोग मेवे के रूप में किया जाता है। इसके रेशेदार छिलके का उपयोग जलावन के रूप में भी किया जाता है। नारियल का उपरी कठोर परत का इस्तेमाल हुक्का, तथा सजावटी वस्तुएं, पात्र बनाने में भी किया जाता है। नारियल के रेशे से कई खिलौने का भी निर्माण किया जाता है। देश के चार राज्यों केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश में नारियल की प्रमुखता से खेती होती है। नारियल का वैज्ञानिक नाम 'कोकस न्यूसिफेरा' है।

2. **अकबर की गुजरात विजय–** मुगल वंश के तीसरे शासक अकबर ने अहमदाबाद के पास निर्णायक जंग 26 फरवरी, 1573 ई. को जीती और गुजरात पर कब्जा किया। अकबर 'ख़ाने आजम' मिर्ज़ा अजीज कोका को गुजरात का गवर्नर नियुक्त करार वापस आगरा आ गया, किन्तु उसके आगरा पहुँचते ही सूचना मिली कि गुजरात में मुहम्मद हुसैन मिर्ज़ा ने विद्रोह कर दिया है। अत; तुरन्त ही अकबर ने गुजरात की ओर मुड़कर 2 सितम्बर 1573 ई. को विद्रोह को कुचल दिया। इस प्रकार गुजरात अकबर के साम्राज्य का एक अंग बन गया।

   - **संदर्भः** बच्चों को वर्ग सात के इतिहास के पाठ्यपुस्तक **अतीत से वर्तमान भाग 2** के **अध्याय 4, मुगल साम्राज्य** से जोड़कर बतायें।

3. **हो–ची–मिन्ह का निधन–** उत्तरी वियतनाम के प्रथम राष्ट्रपति एवं 'राष्ट्रपिता' कहे जाने वाले हो–ची–मिन्ह का निधन 2 सितम्बर, 1969 ई. को हुआ था। वियतनाम में हो–ची–मिन्ह 'जननायक' के रूप में जाने जाते हैं। हो–ची–मिन्ह का अर्थ होता है जिसे ज्ञान प्राप्त हो गया हो। इन्होंने नौजवानों को एक संगठन बनाया और उन्हें मार्क्सवादी ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया। यही संगठन आगे चलकर इंडोचायनीज कम्युनिस्ट पार्टी बनी। दुसरी विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद वियत मिन्ह ने वियतनाम को स्वतंत्र घोषित कर दिया, लेकिन फ्रांस ने मानने से इंकार कर दिया।

- **क्या आप जानते हैं?**
  2 सितम्बर, 1946 ई. को लार्ड माउंटबेटन की अध्यक्षता में भारत की पहली अंतरिम सरकार का गठन हुआ था। जवाहर लाल नेहरू इस सरकार में उप–राष्ट्रपति थे। जिनके पास प्रधानमंत्री के सभी अधिकार समाहित थे। सरदार पटेल आंतरिक सुरक्षा और सूचना प्रसारण मंत्रालय के प्रभारी थे। मुस्लिम लीग के तरफ से लियाकत अली के पास वित्त मंत्रालय का प्रभार था।

M o n d a y

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

2 सितंबर

मधु प्रिया

मौलाना हबीबउर रहमान लुधियानवी की मृत्यु 2 सितम्बर

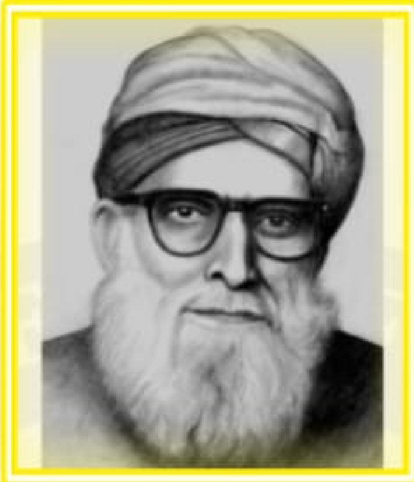

आजादी के नायक मौलाना हबीबउर रहमान लुधियानवी इनका जन्म 3 जुलाई 1892 को पंजाब के लुधियाना में हुआ। पढ़ाई पूरी करने के बाद हबीब उर रहमान ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ज्वाइन कर लिया। उन्होंने खिलाफत और असहयोग आंदोलन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। उस दौरान जेल भी गए। उन्होंने अपनी जिंदगी के अनमोल 14 साल कैद में बिताए। लेकिन उनका क्रांतिकारी मिजाज नहीं बदला। वे हमेशा बेख़ौफ़ होकर ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ बगावत करते रहे। फिर साल 1929 में जब भगत सिंह ने केंद्रीय असेंबली में बम फेंके. तब कोई भी उनके परिवार के सदस्यों को पनाह देने के लिए आगे नहीं आ रहा था। क्योंकि लोगों को अग्रेजों द्वारा किए जाने वाले जुल्म का खौफ था। सभी भगत सिंह के घर वालों को अपने घर में पनाह देने से डर रहे थे। ऐसे समय में मौलाना हबीब उर रहमान लुधियानवी ने न सिर्फ बहादुरी और इंसानियत का परिचय दिया। उन्होंने भगत सिंह के परिवार के सदस्यों को एक महीने तक अपने घर में जगह दी। इतिहासकारों के मुताबिक, एक बार मौलाना ने नेताजी सुभाष चंद्रा बोस की भी अपने घर पर ठहराया था। ब्रिटिश ऑफिसरों ने 'फूट डालो राज करो' की नीति अपनाते हुए लुधियाना की घास मंडी चौक पर हिंदुओं और मुसलमानों के लिए अलग अलग पानी के घड़े रखवाए, उन्होंने अंग्रेजों की इस नापाक चाल को नाकामयाब बना दिया। उन्होंने एक पर्चा बंटवाया। 'सबका पानी एक है'. उन्होंने हिंदू-मुसलमान के लिए अलग-अलग रखे गए घड़े को अपने साथियों के साथ तोड़ दिया। नतीजतन, ब्रिटिश सरकार को 'सबका पानी एक है' का संदेश देते हुए देश भर के सभी रेलवे स्टेशनों पर एक समान घड़ा लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन उनकी इस गतिविधि के चलते उन्हें और उनके 50 साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अगले साल 1931 में पूरे देश में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ क्रांति तेज हो गई थी। इस बीच शाही जामा मस्जिद के पास लगभग 300 अग्रेज़ी अफसरों और पुलिस बल की मौजूदगी में मौलाना ने भारतीय ध्वज तिरंगा फहराया था। उनके इस साहस को देखने के बाद अग्रेजों के पसीने छूट गए थे। सभी अफसर उन्हें रोकने में नाकाम रहे थे। जिसके बाद उन्हें फिर से गिरफ़्तार किया गया था. एक साल तक वो जेल के सलाखों के पीछे रहे। बावजूद उनके तेवर कम नहीं हुए। उन्होंने अपने जीते जी देश को आजाद होते देखा। वे देश के बंटवारे के खिलाफ थे। जब 1947 में विभाजन हुआ। तब देश में साम्प्रदायिक दंगे शुरू हो गए। उन्होंने माहौल को देखते हुए लुधियाना छोड़ दिल्ली के शरणार्थी शिविरों में पनाह ले ली। उन्हें लोग पाकिस्तान जाने की सलाह देने लगे। लेकिन उन्होंने भारत में ही रहने का फैसला कर लिया था। इतिहासकारों के अनुसार, मौलाना हबीब उर रहमान के गांधी जी और जवाहरलाल नेहरु से काफी करीबी संबध थे। गांधी जी उसी समय ऐलान करते हुए कहे थे कि जब देश में मौलाना हबीब उर रहमान जैसे राष्ट्रवादी मुसलमान महफूज नहीं हैं। तो मैं मरणव्रत का ऐलान करता हूं। या तो मैं अपनी जान दे दूंगा या फिर देश में खून खराबा बंद हो जाएगा। बताया जाता है कि गांधी जी के इस ऐलान के बाद ही देश में दंगे रुक गए थे। 2 सितम्बर 1956 को आजादी के इस सिपाही ने दुनिया को अलविदा कह दिया और जामा मस्जिद के पास के कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक (दफन) हो गए।

जन्मदिन विशेष 02 सितंबर

राकेश कुमार

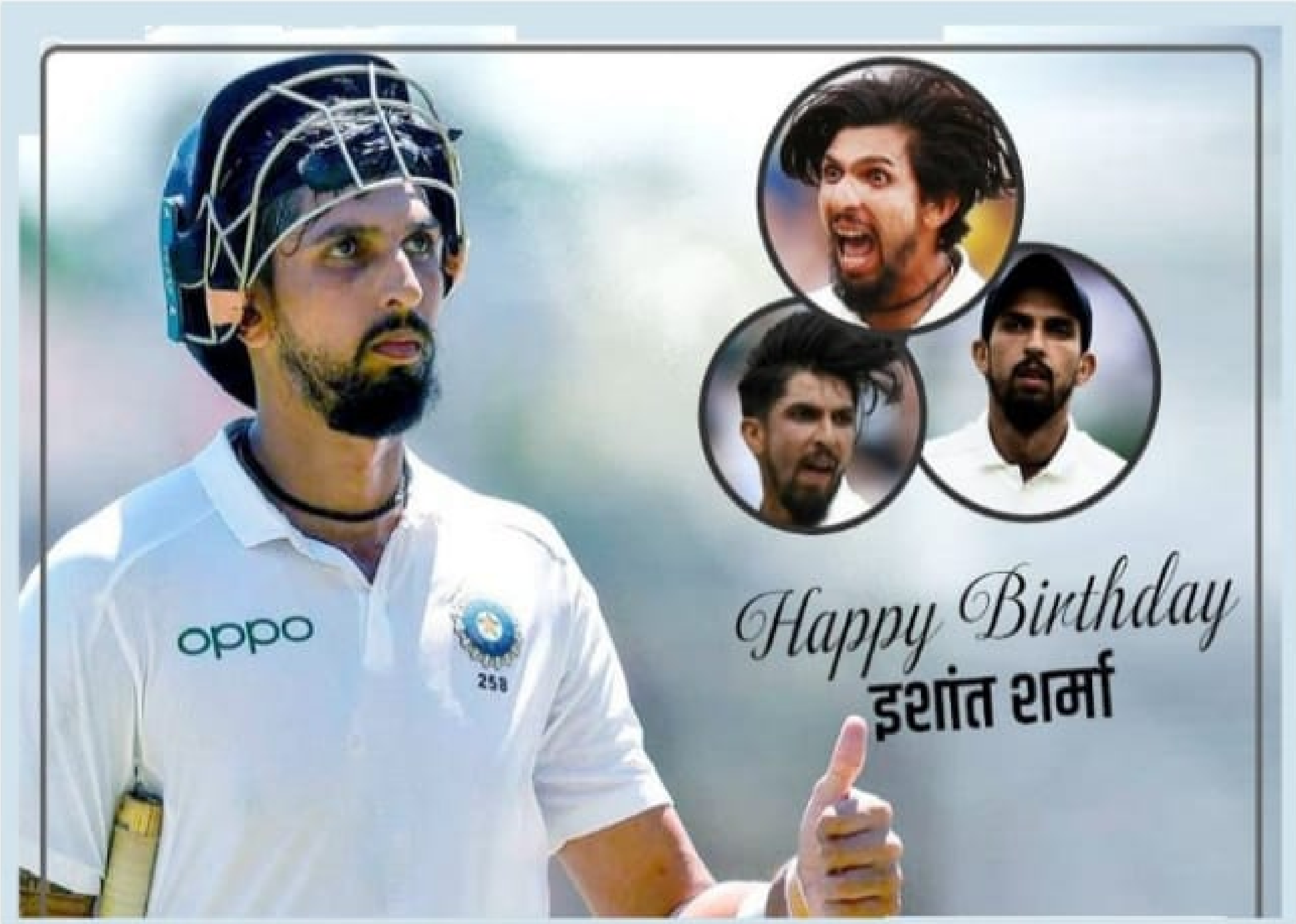

इशांत शर्मा; जन्म **02 सितंबर 1988** एक भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट, एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) और ट्वेन्टी २० में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह दाहिने हाथ से मध्यम तेज गेंदबाजी करते है।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 02.09.2024

केस स्टडी विधि

केस स्टडी विधि एक सीखने की तकनीक है जिसमें छात्र डेटा के विभिन्न स्रोतों का उपयोग करके एक विशिष्ट संदर्भ में एक वास्तविक समस्या का विश्लेषण करते हैं। यह छात्रों को किसी समस्या की समग्र समझ हासिल करने और समाधान विकसित करने और उसका मूल्यांकन करने के लिए अपने ज्ञान को लागू करने की अनुमति देता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

सिंगापुर का 'चांगी एयरपोर्ट' दुनिया का सबसे खूबसूरत और सुविधाजनक हवाई अड्डा माना जाता है। इसे स्काईट्रैक्स द्वारा 12 बार दुनिया का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा चुना गया है। इसके परिसर में दुनिया का सबसे बड़ा इंडोर झरना स्थित है, जिसकी ऊँचाई 40 मीटर है।

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

पिकलबॉल

पिकलबॉल खेल क्या है?

पिकलबॉल टेनिस, टेबल-टेनिस और बैडमिंटन का मिला-जुला रूप है। इसे एक छेद वाली प्लास्टिक की बॉल और रैकेट से खेला जाता है। इसे सिंगल और डबल खिलाड़ियों के बीच 44x20 स्क्वेयर फीट के कोर्ट पर खेला जाता है।

इस अलग तरह के खेल की शुरुआत 1965 में अमेरिका के तीन बुजुर्गों ने की थी। इन बुजुर्गों में से किसी एक के कुत्ते का नाम 'पिकल्स' था। उसके नाम पर ही उन्होंने इस खेल का नाम पिकलबॉल रखा। इस खेल को ओलिंपिक में शामिल करने की मांग भी होती रही, लेकिन अब तक ओलिंपिक कमेटी ने पिकलबॉल को ओलिंपिक में शामिल नहीं किया।

सितंबर
2
विश्व नारियल दिवस
'आइए नारियल की
जटा से बने थैलों का उपयोग करें एवं
देश को पॉलिथीन मुक्त बनाने का संकल्प लें'
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

2 सितंबर

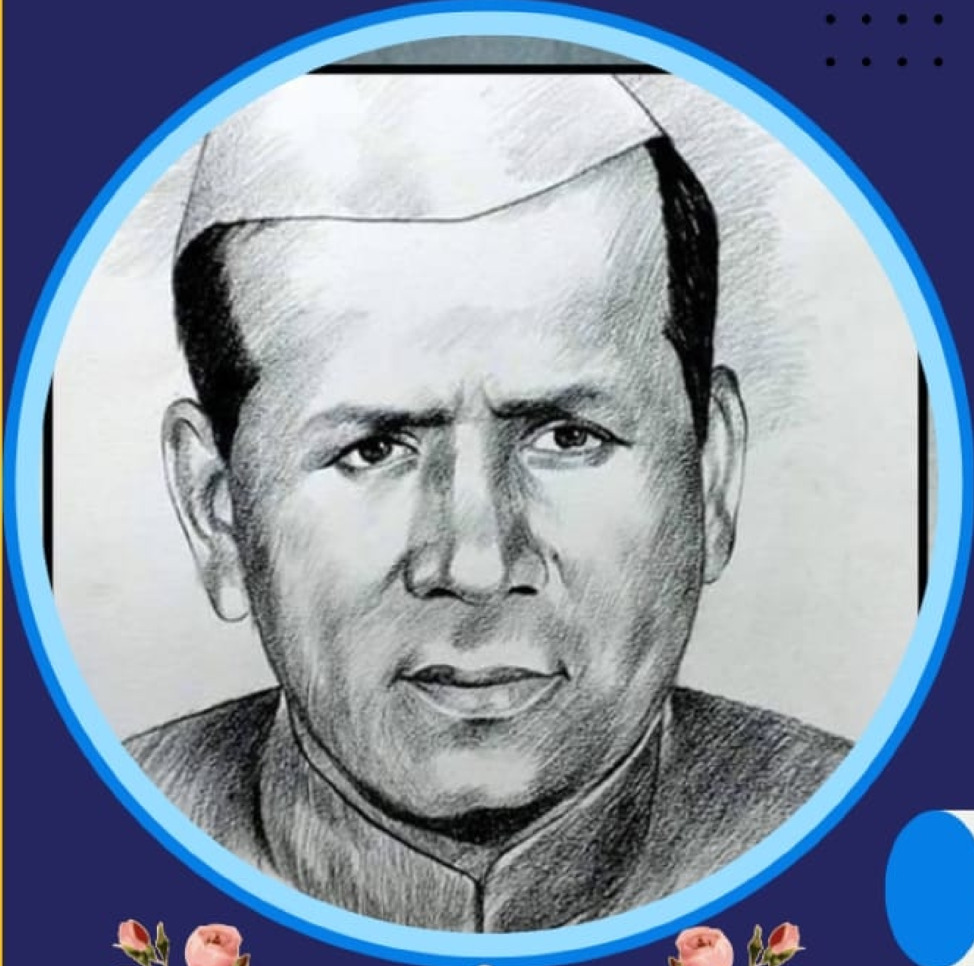

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री
एवं महान स्वतंत्रता
सेनानी

दरोगा प्रसाद राय

की जयंती पर कोटि-कोटि
नमन।

2 सितंबर 1922 -15 अप्रैल 1981

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
वनडे में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय क्रिकेटर
इशांत शर्मा
के जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं।
Happy Birthday!
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

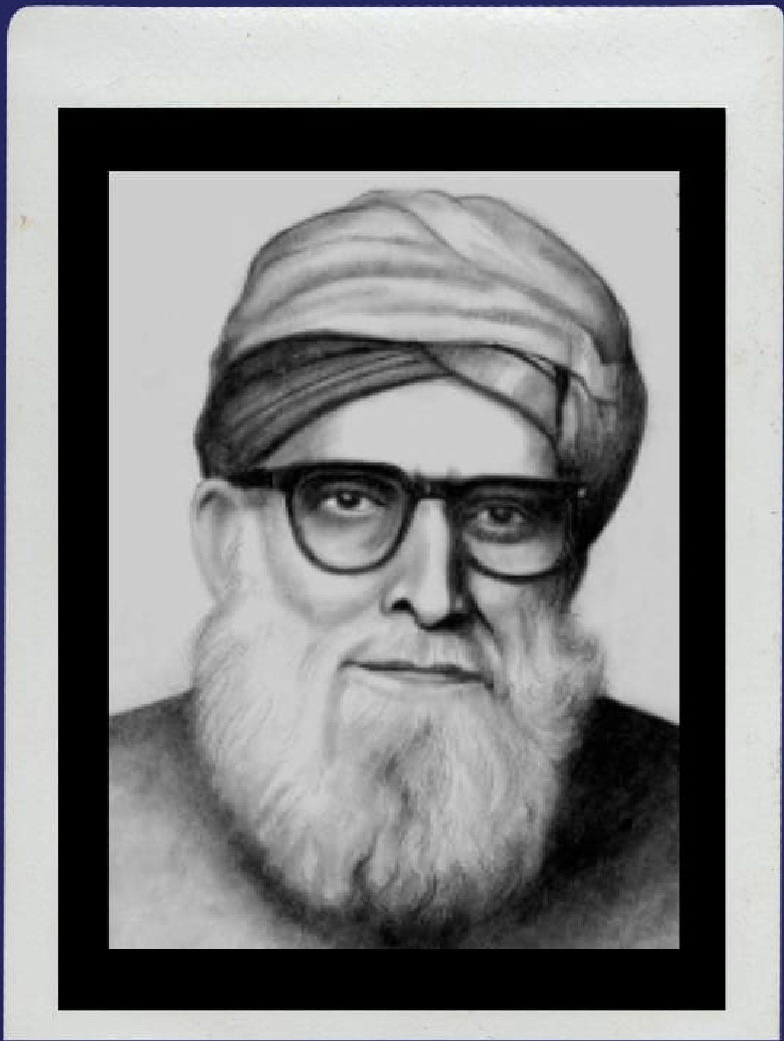

अपने जीवन के अंतिम क्षण तक देश और लोगों की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्धता के साथ लड़ते रहने वाले भारतीय स्वतंत्रता सेनानी

हबीब उर रहमान लुधियानवी

की पुण्यतिथि पर नमन।

जन्म- 3 जुलाई 1892 - मृत्यु- 2 सितंबर 1956

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

02 सितंबर

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं
बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री

दरोगा प्रसाद राय

की जयंती पर सादर नमन

02 सितंबर 1922 - 15 अप्रैल 1981

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
विश्व नारियल दिवस
02 सितम्बर
'आइए नारियल की जटा से बने थैलों का उपयोग करें एवं देश को पॉलिथीन मुक्त बनाने का संकल्प लें'।
Punita Kumari
www.teachersofbihar.org